

यूनिवर्सिटी लीडर्स काउंसिल (जीयूसी) 2023 की बैठक

## 30 से ज्यादा विश्वविद्यालयों के प्रमुख एक मंच पर, वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने पर जोर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

पिछले महीने जर्मनी के हैम्बर्ग में यूनिवर्सिटी लीडर्स काउंसिल (जीयूसी) 2023 की बैठक में आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने अपनी संस्था का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में 30 से ज्यादा यूनिवर्सिटी लीडर्स शामिल हुए। स्वागत जर्मन रेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रोफेसर वाल्टर रोसेंथल और यूनिवर्सिटी हैम्बर्ग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. हाउके हीकेरेन ने किया।

बैठक का इस वर्ष का लक्ष्य था “स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा और सहयोग को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालयों के लिए आगे बढ़ने की राह।” इस तीन दिवसीय बैठक के दौरान प्रो. जोशी ने अन्य पैनलिस्टों के साथ “विश्वविद्यालयों के बीच वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देना और बढ़ती लोकलुभावनवाद और गैर-बौद्धिकतावाद के समाधान पर चर्चा की।” उन्होंने अनुसंधान और शिक्षा को लोकप्रिय बनाने में विश्वविद्यालय के नेताओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विश्वविद्यालयों को सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अकादमिक स्वतंत्रता का उपयोग कैसे करना चाहिए।

उच्च शिक्षा प्रणालियों में चुनौतियों पर हर साल चर्चा



परिषद ने इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि कैसे कोविड-19 महामारी के बाद के घटनाक्रम, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष और बढ़ती लोकलुभावनवाद और गैर-बौद्धिकतावाद दुनियाभर के विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को प्रभावित कर रहे हैं। हर साल होने वाली जीयूसी का आयोजन जर्मन रेक्टर्स कॉन्फ्रेंस, कोर्बर्-स्टिफ्टिंग और यूनिवर्सिटैट हैम्बर्ग द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। हर साल, जीयूसी में दुनियाभर में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा प्रणालियों में मौजूदा प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा की जाती है। इसमें विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी लीडर्स को आमंत्रित किया जाता है।